(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 12 Sub. Code : 1 0 4 4 1

Exam. Code : 5 0 0 2

Bachelor of Arts (FYUP) 2nd Semester

(2055)

SANSKRIT

Paper : Sanskrit Katha, Niti and Grammar

Time Allowed : Three Hours] [Maximum Marks : 90

यूनिट—I

1. अधोलिखित में से किसी एक गद्यांश का सप्रसंग अनुवाद करें :—

(क) एतस्मिन्समये तस्मिन् पत्तने कश्चिद् वणिक्पुत्रो मृतः। तस्य दाहाय महाजनो गतोऽभूत्। ततश्चतुर्णां मध्यादेकेन पुस्तकमवलोकितं "महाजनो येन गतः स पन्थाः" इति। "तन्महाजनमार्गेण गच्छामः"।

(ख) अथ कदाचित्तेन मदोद्धतेन रासभेन क्षेत्रमध्यस्थितेन शृगालोऽभिहितः - "भो भगिनीसुत ! पश्य-पश्य अतीव निर्मला रजनी, तदहं गीतं करिष्यामि। तत्कथय कतमेन रागेण करोमि ?" 1×5=5

2. अधोलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करें :—

(क) सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः।

अर्धेन कुरुते कार्यं, सर्वनाशो हि दुःसहः।।

(ख) साधु मातुल। गीतेन, मया प्रोक्तोऽपि न स्थितः।

अपूर्वोऽयं मणिर्बुद्धः सम्प्राप्तं गीतलक्षणम्।।

(ग) राजा दानपरो नित्यमिह कीर्तिमवाप्य च।

तत्प्रभावात् पुनः स्वर्गे स्पर्धते त्रिदशैः सह।।

(घ) कोऽपि सुतोऽपि स्वसुखं विना। 2×5=10

3. किसी एक कहानी का सार अपने शब्दों में लिखें :—

रासभ-शृगाल कथा।

अथवा

मूर्खपण्डित कथा। 1×5=5

यूनिट—II

4. अधोलिखित में किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करें :—

(क) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभ्येन नीचैः प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।

विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः प्रारबधमुत्तमजना न परित्यजन्ति।।

(ख) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिर्मनस्विनः।

मूर्ध्नि वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा।।

(ग) दाने भोगो नाशस्तिस्त्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।

यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति।।

(घ) तानीन्द्रियाण्यविकलानि तदेव नाम सा बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव।

अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषः क्षणेन सोऽप्यन्य एव भवतीति विचित्रमेतत्।।

2×7½=15

5. अधोलिखित में से किसी एक सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या करें :—

(क) मूर्खस्य नास्त्यौषदधम्।

(ख) सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।

(ग) वाराङ्गनेव नृपनीतिर नेकरूपा। 1×5=5

यूनिट—III

6. किन्हीं पांच अवययों का वाक्यों में प्रयोग करें :—

अन्तः, उच्चैः, वामत, पुरतः, सद्यः, ह्यः, अद्यः, कथम्, श्वः, बहिः। 5×1=5

7. किन्हीं पांच संख्यावाची अंकों को संस्कृत में लिखें :—

53, 56, 68, 70, 74, 85, 89, 91, 94, 99 5×1=5

8. किसी एक विषय की विस्तृत जानकारी दें :—

राशि अथवा ग्रह। 1×5=5

यूनिट—IV

9. किन्हीं दो शब्दरूपों के सभी विभक्तियों में रूप लिखें :—

अस्मद्, पितृ, गुरु। 2×5=10

10. किन्हीं दो धातुरूपों के निर्दिष्ट लकारों में रूप लिखें :—

√भू-लट् लकार, √लिख्-लोट् लकार, √स्मृ-लङ् लकार। 2×5=10

यूनिट—V

11. किन्हीं दस व्यावहारिक शब्दों को संस्कृत में लिखें :—

गधा, गैंडा, बकरा, भैंस, हिरण, चकवा, पपीहा, बाज, हंस, नीम, गुलाब, चमेली, गेंदा, पत्ता, कमल। 10×1=10

12. किन्हीं पांच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :—

(क) रमा संस्कृत पढ़ती है।

(ख) पक्षी प्रातः चहचहाते हैं।

(ग) राजा का कल्याण हो।

(घ) यहाँ कौन रहता है ?

(ङ) वह प्रतिदिन व्यायाम करती है।

(च) मैं चलचित्र देखता हूँ।

(छ) चोर धन नहीं चुराता है।

(ज) वह फुटबाल से खेलता है।

(झ) स्वामी दयानन्द महापुरुष हैं।

(ञ) राम और लक्ष्मण भाई हैं। 5×1=5